बुन्देली का नया काव्य

डॉ. बलभद्र तिवारी

Scanned with OKEN Scanner

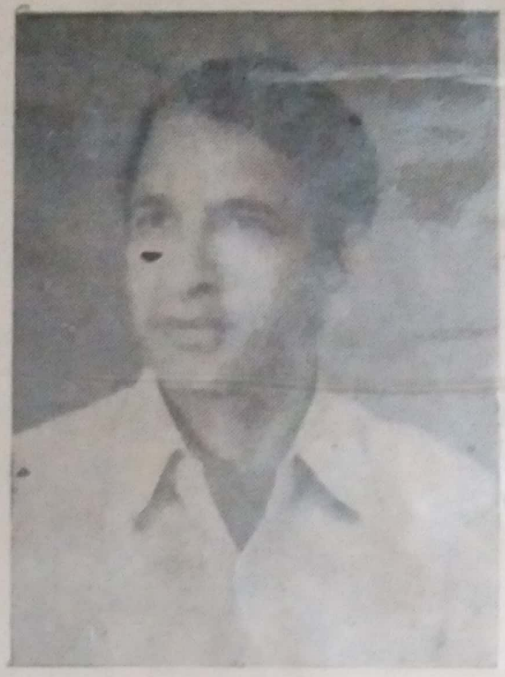

डॉ० बलभद्र तिवारी

जन्म—१७ सितम्बर, १९३५ (ग्राम बरखोहा महंत, तहसील एवं जिला सागर, म० प्र०)

शिक्षा—एम० ए० हिन्दी (प्रथम श्रेणी) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सागर विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग में, प्रथम छात्रवृत्ति प्राप्त की और १९६० में पी० एच० डी०।

सम्प्रति—डी० लिट्० कार्य में संलग्न।

विशेष विवरण—विद्यार्थी जीवन में छात्र संघ पत्रिका के सम्पादक। एन० सी० सी० के १६ वर्ष तक अफसर। नाटकों एवं सांस्कृतिक कार्यों में भाग लिया। आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी के साथ 'आलोचना' के सहकारी रहे। १९५६ से १९६५ तक आचार्य वाजपेयी के निजी सचिव रहे।

Scanned with OKEN Scanner

© : बुन्देली पीठ, सागर विश्वविद्यालय, सागर (म० प्र०)

बुंदेली पीठ, हिन्दी विभाग सागर, वि० वि० सागर के लिए
सत्येन्द्र प्रकाशन
३०, पुराना अल्लापुर
इलाहाबाद—६

संस्करण : प्रथम १९८३ ई०
संस्करण : १००० प्रतियाँ

मूल्य : ३५ रुपये मात्र

मुद्रक :
बीना प्रिंटिंग प्रेस,
कीटगंज, इलाहाबाद—३

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

१. भैयालाल व्यास 'विन्ध्यकोकिल'	....	९
२. शंभुदयाल 'ब्रजेश'	....	२१
३. 'जोजा' बुन्देलखण्डी	....	२७
४. चतुरेश	....	३१
५. रतिभानु तिवारी 'कंज'	....	४६
६. रघुवीर प्रसाद श्रीवास्तव	....	६०
७. लक्ष्मीनारायण 'पथिक'	....	७२
८. भगवान सिंह गौड़	....	८०
९. महेश कुमार मिश्र 'मधुकर'	....	८६
१०. शर्मन लाल 'सरस'	....	९३
११. गोरेलाल साहू	....	१०३
१२. लोकेन्द्र सिंह नागर	....	११३
१३. द्वारिका प्रसाद अग्रवाल 'बेचैन'	....	१२३

१४. रामकृष्ण पांडे १३२
१५. कैलाश मड़वैया १४६
१६. ओम प्रकाश सक्सेना 'प्रकाश' १५५
१७. वासुदेव प्रसाद खरे १६७
१८. हरगोविन्द विश्व 'सागर' १८१
१९. फूलचन्द 'मधुर' १९४
२०. अयोध्या प्रसाद चौबे २०३

—o—

बुन्देली पीठ के प्रकाशन

१—लोकगाथा काव्य आल्हा
—पं० लोकनाथ सिलाकारी

२—बुन्देली काव्य-परम्परा, भाग १ (प्राचीन काव्य)
—डॉ० बलभद्र तिवारी

३—सनेह सागर —डॉ० बलभद्र तिवारी)

४—बुन्देली काव्य-परम्परा भाग २(आधुनिक काव्य
—डॉ० बलभद्र तिवारी

५—दूषण उल्लास —डॉ० गोविन्द द्विवेदी

६—रामायन कथा —पं० लोकनाथ सिलाकारी

७—बुन्देली लोककाव्य, भाग १
—डॉ० बलभद्र तिवारी

८—बुन्देलो लोककाव्य, भाग २
—डॉ० बलभद्र तिवारी

९—बुन्देली लोककाव्य, भाग ३
—डॉ० बलभद्र तिवारी

१०—बुन्देली का आधुनिक नाट्य साहित्य
—डॉ० बलभद्र तिवारी

११—बुन्देली का नया काव्य—डॉ० बलभद्र तिवारी

१२—ब्रजभाषा में संक्रमणशील बुन्देली की संरचना
—डॉ० कान्तिकुमार जैन

Scanned with OKEN Scanner